परमेश्वर आश्चर्यजनक पिता है।

इस पाठ के सम्बन्ध में :

'बाइबल की कुन्जियाँ' के पहले पाठ में आपका स्वागत है। आज आप परमेश्वर के विषय बाइबल के मूल सत्य के विषय अध्ययन करेंगे। इन प्रश्नों के सभी उत्तर बाइबल में ही हैं - परमेश्वर का वचन जो आपके सम्मुख आवश्यकतानुसार सत्य उजागर करता है।

आज के प्रश्न हैं:

- **परमेश्वर कौन है?**
- **परमेश्वर किसके समान है?**
- **मैं परमेश्वर को किस प्रकार जान सकता हूँ?**

आप ऐसा कीजिए :

✔ पाठ को पढ़ें और मुख्य भागों को रेखांकित कीजिये।

✔ अपनी बाइबल में पवित्र शास्त्र के पदों को खोजें।

✔ उन पर चिन्ह लगाइये:

जितना अधिक आप अध्ययन करेंगें उतना ही अधिक समझेंगे।

परमेश्वर आपको आशीष दें।

1 परमेश्वर कौन है?

परमेश्वर सृष्टिकर्त्ता है।

उत्पत्ति 1:1

बाइबल में लिखा है "**आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को बनाया।**" एक समय ऐसा भी था, जब आकाश तथा संसार, दोनों ही अनुपस्थित थे। उस समय न रात थी न ही दिन, तथा जीवित प्राणी भी नहीं थे। केवल एक ही जीवित अस्तित्व था, और वह स्वयं परमेश्वर था।

उत्पत्ति 1:3 (सम्पूर्ण उत्पत्ति 1 पढ़ें)

परन्तु परमेश्वर पुरुष तथा स्त्री की रचना कर उनके निवास के लिये सुन्दर संसार की रचना करना चाहता था। शून्य से उसने सभी वस्तुओं का निर्माण किया। उसने केवल इतना कहा, "उजियाला हो" और उजियाला हो गया। परन्तु संसार की रचना के पश्चात समय आ गया था कि वह आदम तथा हव्वा, प्रथम मनुष्यों की सृष्टि करे।

परमेश्वर कौन है? (जारी है)

परमेश्वर एकल परमेश्वर है।

व्यव 6:5 केवल एक ही परमेश्वर है, बाइबल का परमेश्वर। ''**यहोवा हमारा परमेश्वर है, यहोवा एक है।**'' परन्तु मनुष्यों ने सदैव ही अपने देवताओं तथा मूर्तियों का निर्माण किया है, यद्यपि वे परमेश्वर के समान नहीं हैं। वह बोल सकता है, परन्तु वे गूंगे हैं। वह देख सकता है, परन्तु वे अंधे हैं। वह आपकी सहायता कर सकता हैं, परन्तु वे ऐसा नहीं कर सकते।

भ.सं. 115:2-8 शायद आप लकड़ी, मिट्टी अथवा धातु की मूर्तियों पर भरोसा नहीं रखते। परन्तु वास्तव में देवता क्या है? यह वह है, जिस पर आप भरोसा नहीं रखते हैं। आपका धन, आपका सामाजिक स्तर, आपके रीति - रिवाज और आप स्वयं। ये सभी देवता हैं जिनकी हम स्वयं रचना करते हैं। परन्तु परमेश्वर की रचना मूर्तियों अथवा अन्य 'देवताओं' के समान हम

1 कुरि 12:2 स्वयं नहीं कर सकते। उसने सभी वस्तुओं की रचना की, अतः वह हमारा रचनाकार तथा एकल परमेश्वर है।

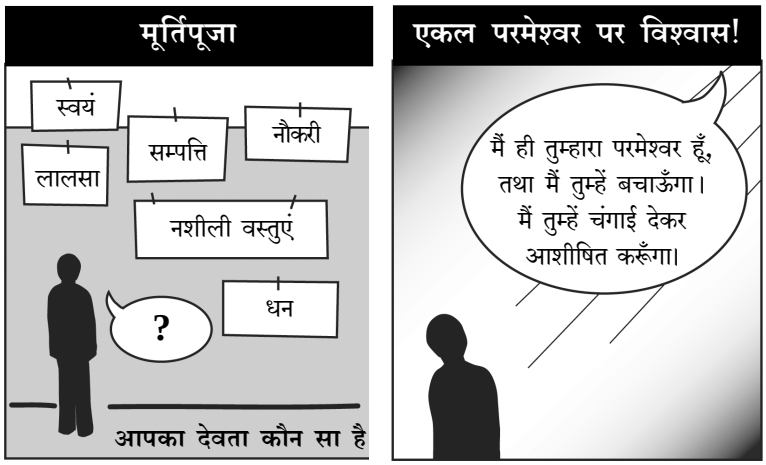

देवता आप को कभी कुछ नहीं देता है। परन्तु परमेश्वर आप से प्रेम करता, और उत्तम पदार्थ देता है।

परमेश्वर पिता है।

लूका 3:38 परमेश्वर एक आश्चर्यजनक प्रेमी पिता है। बाइबल कहती है कि आदम ''परमेश्वर का पुत्र था।'' अतः आदम के वंशज होने के नाते परमेश्वर के साथ हमारा सम्बन्ध पिता-पुत्र का है। वह वही कार्य करता है, जो एक पिता करता है।

भ.सं. 139:13-16
- वह आपकी उत्पत्ति का मूल है - यदि शारीरिक तौर से नहीं भी, तो - क्योंकि उसने योजना बनाई कि आप किसी अन्य के समान नहीं, किन्तु जिस रूप में है, उसी रूप में जन्म लें।

मत्ती 6:25-33
- उसे आपकी चिन्ता है; वह चाहता है कि आप भोजन तथा वस्त्र प्राप्त कर स्वयं को सुरक्षित महसूस करें।

मत्ती 6:26
भ.सं.8:3-8

- आप उसके लिये महत्त्वपूर्ण हैं! वह आपको किसी भी अन्य जीवित वस्तु से अधिक बहुमूल्य जानता है, तथा उसने आपको अधिकार प्रदान किया है कि आप उसकी सृष्टि पर शासन करें।
- वह आपसे प्रेम करता है, तथा आपके द्वारा प्रसन्न होने पर वह स्वयं भी प्रसन्न रहता है।
- वह प्रतिदिन आपके साथ सहभागिता की आकांक्षा रखता है।

2 परमेश्वर किसके समान है?

बाइबल परमेश्वर के विषय कई बातें बताती है। उसके विषय में अधिक जानकारी हासिल करने का सर्वोत्तम तरीका है-बाइबल का अध्ययन जारी रखना। आज आप परमेश्वर के विषय कुछ महत्त्वपूर्ण बातें सीखेंगे।

परमेश्वर भला है।

1यूहन्ना 4:8

परमेश्वर भला है। वह सभी से प्रेम करता है। बाइबल के अनुसार वह प्रेम है! वह आपके विषय जानता था, उसने आपसे प्रेम किया तथा आपके जन्म से पूर्व ही उसने आपके लिये योजनायें बनाई। अतएव आप उस पर भरोसा रख सकते हैं। आपके द्वारा कुछ भी सोच विचार करने से पूर्व ही वह जानता है कि आप क्या सोचेंगे। बाइबल में ऐसे बहुत व्यक्तियों के नाम हैं जिन्होंने परमेश्वर को उसकी भलाई के लिये धन्यवाद दिया!

भ.सं. 136:1

''यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करुणा सदा की है।'' भजन संहिता की पुस्तक इस प्रकार के आश्चर्यजनक स्तुति-गीतों से भरी है।

परमेश्वर महान् है।

परमेश्वर हमारी कल्पना से परे महान् है। भविष्यद्धक्ता यशायाह की बातों पर ध्यान दीजिये। **''जिसने अंजली में भरकर समुद्र को नाप दिया, किसने हाथ से आकाश को नाप दिया? देखो, जगत् के सारे देश घड़े में एक छोटी बूंद जैसे हैं।''**

यशा 40:10-15

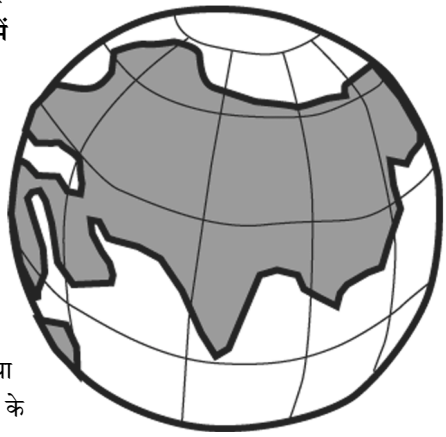

भ.सं. 46:1

इसका अर्थ यह है, कि यदि आप परमेश्वर के पुत्र तथा मित्र हैं, तब आपके पास सर्वसामर्थी पिता तथा मित्र है। वह आपका शरणस्थान तथा बल है, तथा वह आपकी सहायता के लिये सदैव तैयार है।

लूका 10:19

परमेश्वर किसके समान है? (जारी है)

परमेश्वर पवित्र तथा धर्मी है।

परमेश्वर पवित्र तथा धर्मी दोनों है। इसका अर्थ यह है कि वह सभी गलत तथा पापपूर्ण वस्तुओं से घृणा करता है। उसने संसार की सृष्टि की तथा वह जानता है कि हम प्रकृति तथा पारस्परिक रीति से किस प्रकार समान्जस्य स्थापित कर रह सकते हैं। हमें इस संसार तथा अन्य लोगों को नष्ट करने अथवा हानि पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है। अतः परमेश्वर ने हमें संसार तथा मनुष्य के जीवन की सुरक्षा के लिये व्यवस्था प्रदान की है, ताकि हम बुराई से बचे रहें।

व्यव. विवरण 4:24

बाइबल कहती है, कि परमेश्वर आग है, **''तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तो भस्म करने वाली आग है।''** कोई भी व्यक्ति उससे मुलाकात कर जीवित नहीं रह सकता, क्योंकि सभी लोग पापी हैं। इसका अर्थ क्या है? क्या किसी व्यक्ति के पास जीवित रहने का कोई अवसर है? जी हाँ! हमारे जीवन में गलत घटी बातों के बावजूद भी परमेश्वर ने यीशु मसीह के द्वारा हमारे लिये मार्ग तैयार किया है ताकि हम परमेश्वर के साथ सहभागिता बनाये रख सकें (इस विषय पर अगले अध्याय में विस्तृत रीति से समझाया गया है)।

3 मैं परमेश्वर को किस प्रकार जान सकता हूँ?

• बाइबल के द्वारा

भ.सं.119:130

परमेश्वर के विषय ज्ञान हासिल करने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्त्रोत बाइबल है। बाइबल परमेश्वर का वचन है, तथा यह हमें वह सभी बातें बताती है जिन्हें हमें परमेश्वर के विषय जानने की आवश्यकता है। जब परमेश्वर के वचन की शिक्षा दी जाती है, तो यह उजियाला उत्पन्न करती है। अतएव, इन अध्यायों में वर्णित सभी बातों का आधार बाइबल है। बाइबल सत्य बताती है, तथा हम उस पर भरोसा रख सकते हैं।

• पवित्रात्मा के द्वारा

पवित्रात्मा परमेश्वर है। यह वही है जिसने अपनी इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के विषय अगुवाई की। जब आप परमेश्वर का वचन पढ़ते हैं, तो वह वचन को प्रकाशित करता है।

यूहन्ना 16:13

''पवित्रात्मा सत्य के विषय आपकी अगुवाई करता है।'' आज से ही आप यह प्रार्थना कर सकते हैं:

पवित्रात्मा, परमेश्वर के वचन को मेरे लिये खोल दें ताकि मैं इसे समझकर विश्वास कर सकूं। प्रभु यीशु के नाम में, आमीन।

बधाई !

आपने अपने पहले पाठ का अध्ययन समाप्त कर लिया है। अब आपके पास सुअवसर है कि आपने जिन बातों को सिखा है। उसका अभ्यास कर सकें। परमेश्वर आपको आशीष दे।

परमेश्वर आश्चर्यजनक पिता है ।

बाइबल खोज

अभ्यास 1 : भजन संहिता 62 तथा 103 में परमेश्वर के विषय वर्णन की गयी बातों की सूची बनाइये।

अभ्यास 2 : 'देवता' वह है, जिस पर आप भरोसा रखते हैं। वर्तमान में आपके देवता क्या तथा कौन है?

बाइबल खोज (जारी है)

अभ्यास 3 : उत्पत्ति 1-2 में सृष्टि के विषय वर्णित अति महत्त्वपूर्ण कहानी का अध्ययन कीजिये।
उसका सारांश यहां लिखिये।

अभ्यास 4 : परमेश्वर पिता आपकी चिंता करता है। नीचे व्यक्तिगत आवश्यकताओं तथा समस्याओं के विषय कुछ वचन दिये गये हैं। अपनी बाइबल में इन वचनों को रेखांकित कीजिये तथा उन्हें पृथक्क रूप में भी लिखिये।

शान्ति	यूहन्ना 14:27
चंगाई	निर्ग. 15:26, मत्ती 8:17, 1 पत. 2:24
भोजन तथा शरणस्थान	मत्ती 6:25-33
क्षमा	1 यूहन्ना 1:9
भय	यशायाह 41:10
आनन्द	यशायाह 61:3
अकेलापन	मत्ती 28:20
सामर्थ्य	रोमियों 8:11

शाबास!
अब समय है कि जो कुछ हमने सीखा,
हम उसका उपयोग अपने व्यावहारिक जीवन में कर सकें।

परमेश्वर आश्चर्यजनक पिता है।

कार्य-समय!

विश्वास स्वयं को कार्यों के द्वारा प्रकट करता है (याकूब 2:17)। प्रत्येक पाठ में हम कुछ न कुछ व्यावहारिक कदम अवश्य उठायेंगे, क्योंकि यदि आप केवल अध्ययन, बातचीत अथवा सोच-विचार ही करते रहेंगे, तथा व्यावहारिक कदम नहीं उठायेंगे तो आपका विश्वास कार्य नहीं करेगा।

• **स्तुति विद्यालय**

परमेश्वर की स्तुति-धन्यवाद अति महत्त्वपूर्ण

अब, परमेश्वर की स्तुति करना सीखिये।

- ✔ अपनी पुस्तक तथा कार्य को **एक तरफ** रख दीजिये।
- ✔ यदि संभव हो, अपने पैरों पर **खड़े हो** जाइये अथवा परमेश्वर को सन्मान देने के लिये **घुटने टेकिये**।
- ✔ **अपने हाथों को उठाइये,** अपनी आंखें बन्द कीजिये, तथा इस प्रकार कहना आरम्भ कीजिये, ''परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता हूं...,'' अपने शब्दों में उसे धन्यवाद दें, उन सब चीजों के लिए जो उसने आपके जीवन में पूर्ण की हैं।
- ✔ यदि आप चाहते हैं, तो आप भजन संहिता 63 में वर्णित शब्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं:

''हे परमेश्वर, तू मेरा प्रभु है, मैं तुझे यत्न से ढूंढूंगा,
मेरा प्राण तेरे लिये प्यासा है,
मेरा शरीर तेरी चाहत करता है।''

(इसे अपनी बाइबल में ढूंढिये। आप भजन संहिता 23, 91, 150 इत्यादि का भी उपयोग कर सकते हैं।)

इसे **दिन में एक बार** अवश्य ही करें - दिन का शुभारम्भ प्रभु की स्तुति से करना अति उत्तम है - आपके शेष जीवन के लिये यह सर्वोत्तम बात है।

कल. प्रातः 15 मिनट पूर्व घड़ी का **अलार्म व्यवस्थित कीजिये,** तथा उस समय का उपयोग परमेश्वर की स्तुति के लिये कीजिये, **वह आपको निराश नहीं करेगा।**

साथ-साथ उसकी स्तुति कीजिये।

अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर साथ-साथ परमेश्वर की स्तुति करने का प्रयत्न कीजिये। सम्भवतः आप यह कार्य नियमित रीति से कर पाने में सक्षम हों - यह आपके जीवन को परिवर्तित कर देगा। (प्रेरितों के काम 2:46,47)

स्मरण समय !

परमेश्वर के वचन को स्मरण कर बोलिये।

प्रत्येक पाठ के अन्त में कंठस्थ करने के लिये बाइबल के पद दिये गये हैं। उन्हें पृथक्क कागज पर लिख लीजिये, तथा दिन में कई बार ऊँचे स्वर से उसे पढिये - बस में, अवकाश के समय, अथवा परिवार के साथ भोजन के समय।

''यहोवा का धन्यवाद करो क्योंकि वह भला है, और उसकी करुणा सदा की है।
(भजन संहिता 136:1)

प्रेम इस में नहीं कि हमने परमेश्वर से प्रेम किया, परन्तु इसमें है कि उसने हमसे प्रेम किया और हमारे पापों के प्रायश्चित के लिए अपने पुत्र को भेजा।
(1 यूहन्ना 4:10)

''जीवन का फाटक'' परिचय-श्रृंखला

'जीवन का फाटक' पांच श्रृंखला का यह प्रथम पाठ है। इस श्रृंखला में आप बाइबल की महत्त्वपूर्ण सच्चाइयों के विषय जानकर परमेश्वर के लिये जीवन व्यतीत करने के विषय कुछ प्राथमिक कदम अवश्य उठायेंगे। पाठ्यक्रम निम्न है :

1. **परमेश्वर आश्चर्यजनक पिता है।**
2. यीशु आश्चर्यजनक उद्धारकर्त्ता है !
3. आप पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो सकते हैं !
4. परमेश्वर का वचन सत्य है वह आप को स्वतंत्र करेगा !
5. आपका नया जीवन !

बाइबल की कुन्जियाँ हैं :

परमेश्वर के वचन के विषय मूल शिक्षाओं पर आधारित पाठ्यक्रम श्रृंखला।

स्वयं शिक्षा प्रदान करने वाली अध्ययन सामग्री, परन्तु इसका सामूहिक रीति से भी उपयोग किया जा सकता है। इसका आधार बाइबल, परमेश्वर का अनन्त वचन है। इस सामर्थी पुस्तक में सभी के लिये इस जीवन में तथा मृत्यु के पश्चात् आने वाले जीवन के लिये धार्मिकता तथा आनन्द की कुन्जियाँ हैं।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया सम्पर्क करें:

बाइबल कुन्जियाँ पो.बा. **3178**, नई दिल्ली - 110 003
www: biblekeysonline.com

Copyright © 2000 Victura & InterMedia Services Ltd. All rights reserved. Printed in India 2002